Class-XII

Hindi Core(302)

Previous Pathshala

प्रश्न = 1

(i)
उत्तर :- d) वायु की शुद्धता ✓

(ii)
उत्तर :- c) समस्या सिर पर आने पर ही समाधान पर विचार करते हैं। ✓

(iii)
उत्तर :- b) हवा की गति बढ़ने पर प्रदूषण घटने लगता है। ✓

(iv)
उत्तर :- c) जब उसमें प्रदूषक तत्वों की अधिकता हो ✓

(v)
उत्तर :- c) धरती के बढ़ते तापमान को नियंत्रित रखना होगा। ✓

(vi)
उत्तर :- b) स्थानीय स्तर पर वायु -प्रवाह में प्रदूषण बढ़ रहा है। ✓

Previous Pathshala

(vii)
उत्तर:- d) प्रदूषित हवा विश्व - व्यापी समस्या है। ☑

(viii)
उत्तर:- d) प्रदूषित हवा को शुद्ध करने के लिए ☑

(ix)
उत्तर:- b) दिनोंदिन हवा में बढ़ता प्रदूषण ☑

(x)
उत्तर:- b) कथन (A) सही है, लेकिन कारण (R) कथन (A) की गलत व्याख्या है ☑

प्रश्न - 2

काव्यांश - 1

(i)
उत्तर:- c) गंगा नदी का बढ़ा जल - स्तर ☑

Previous Pathshala

(ii)
उत्तर - a) गंगा - जल रूपी रजत परिधान ☑

(iii)
उत्तर - a) घर का मजबूत होना ☑

(iv)
उत्तर - b) पतली ☑

(v)
उत्तर - a) उपमा ☑

प्रश्न = 3

(i)
उत्तर - c) बीट ☑

(ii)
उत्तर - a) अमेरिका में गृह - युद्ध के दौरान ☑

Previous Pathshala

(iii) उत्तर - c) वेब दुनिया के साथ ☑

(iv) उत्तर - b) शब्दों और ध्वनियों का ☑

(v) उत्तर - a) विशेष रिपोर्ट ☑

प्रश्न = 4

(i) उत्तर - c) कागज के उस पन्ने का जिस पर रचना शब्द - बद्ध हो ~~ते~~ है ☑

(ii) उत्तर - c) भावनाओं और विचारों का वेग ☑

(iii) उत्तर - c) कल्पना ☑

Previous Pathshala

(iv) उत्तर- a) शब्दों के अंकुर फूटे ☑

(v) उत्तर- b) काव्य - रचना प्रक्रिया को ☑

प्रश्न = 5

(i) उत्तर- a) खेतों में बीज बोना। ☑

(ii) उत्तर- c) पानी का दान - पुण्य करना पड़ता है ☑

(iii) उत्तर- d) दान - पुण्य करने से ☑

(iv) उत्तर- d) दान - पुण्य की महत्ता समझाने के लिए ☑

Previous Pathshala

(v) उत्तर :- d) पानी को इंद्र सेना पर डालना ☑

प्रश्न = 6

(i) उत्तर :- a) पत्नी और बच्चों से वैचारिक मतभेद होने के कारण ☑

(ii) उत्तर :- c) अपने परिवार को नाराज न करने के कारण ☑

(iii) उत्तर :- d) उनका अपने परिवार से मतभेद रहने लगा ☑

(iv) उत्तर :- c) वे इसे विदेशी कस्टम मानते थे ☑

(v) उत्तर :- a) ईख की अच्छी खासी कीमत पाने के लिए ☑

Previous Pathshala

(vi)
उत्तर ⟩ c) शाम को खेतों में सिंचाई करना ☑

(vii)
उत्तर ⟩ a) सहपाठियों के पास हो आगे की कक्षा में चले जाने के कारण ☑

(viii)
उत्तर ⟩ d) बौद्ध स्तूप ☑

(ix)
उत्तर ⟩ a) कर के रूप में एकत्रित अनाज रखने के लिए ☑

(x)
उत्तर ⟩ a) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कथन (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है। ☑

Previous Pathshala

खण्ड ब
(वर्णात्मक प्रश्न)

प्रश्न = 7

[CHOICE - 1]

• शहरों में बढ़ती ट्रैफिक जाम की समस्या •

आज के समय में अगर कोई समस्या लोगों को सबसे ज्यादा परेशान कर रही है तो वह है — शहरों में बढ़ती ट्रैफिक जाम की समस्या। इस समस्या के साथ कई और समस्याएँ भी जुड़ी हुई हैं जैसे — ध्वनि प्रदूषण की समस्या। शहरों में जाम तो वैसे हर समय रहता है परंतु सबसे ज्यादा ट्रैफिक जाम सुबह व शाम को काम, स्कूल व दफ्तर मे जाते समय देखने को मिलता है।

ट्रैफिक जाम के कारण लोगों को ध्वनि प्रदूषण का भी सामना करना पड़ता है जिसके कारण लोगों में

Previous Pathshala

अनेक बिमारियाँ हो जाती हैं। बैचेनी, सिर में दर्द, आँखो में जलन आदि विकार पैदा हो जाते हैं। ट्रैफिक जाम के कारण कई बार मरिजों को अपनी जान से हाथ धोना पड़ता है। क्योंकि ट्रैफिक जाम के कारण कई बार एम्बुलेंस को निकलने का मौका ही नहीं मिलता जिससे मरीज की कई बार जान भी चली जाती है।

ट्रैफिक जाम लगने के कई कारण हो सकते हैं। जिनमें से प्रमुख कारण है — सड़कों की स्थिति ठीक न होना। सड़कों की टूटी-फूटी हालत व गड्ढे होने से आवागमन में दिक्कत आती है जिससे फिर जाम लगता है। वाहनों का गलत लाइन में चलना भी ट्रैफिक जाम लगने का एक कारण हो सकता है। कई बार रोड पर हुई दुर्घटना के कारण भी जाम लगता है। ट्रैफिक लाइटों का न होना भी जाम लगने का एक कारण है।

Previous Pathshala

शहरों में बढ़ती ट्रैफिक जाम की समस्या को कम करने के लिए हमें व सरकार को साँझे प्रयास करने चाहिए। सरकार को सड़कों की मरम्मत करवानी चाहिए। सड़कों पर ट्रैफिक लाइट लगवानी चाहिए। लोगों को भी अपनी लेन की रोड़ में ही चलना चाहिए। बढ़ती ट्रैफिक जाम की समस्या को कम करने के लिए हम दिल्ली के माननीय मुख्यमंत्री श्री अरविंद केजरीवाल जी के द्वारा दिल्ली में लागू किया गया ऑड - इवन सिस्टम चला सकते हैं। इसके अलावा हम सार्वजनिक वाहनों के इस्तेमाल को बढ़ावा दे सकते हैं।

प्रश्न = 8

(ख)
उत्तर - रेडियो नाटक :- रेडियो नाटक एक श्रव्य माध्यम है। इसमें सिनेमा व रंगमंच की तरह दृश्य नहीं होते।

Previous Pathshala

इसमें सब कुछ ध्वनि व संवादों के माध्यम से संप्रेषित किया जाता है।

रेडियो नाटक के लिए संवाद लिखते समय निम्नलिखित सावधानियाँ बरतनी चाहिए —

(1) रेडियो नाटक के संवाद छोटे, संक्षिप्त व प्रभावशाली होने चाहिए।

(2) संवाद आम बोलचाल की भाषा में होने चाहिए।

(3) लंबे संवादों से तारतम्यता बनाए रखना मुश्किल हो जाता है, इसलिए इनका प्रयोग नहीं करना चाहिए।

(4) संवादों को पात्रों के माध्यम से कहना चाहिए।

(5) संवाद उच्चारण व श्रवण शुद्धि से युक्त होने चाहिए। क्योंकि श्रोता संवादों व आवाज के माध्यम से ही पात्रों को याद रख पाता है।

(6) कथानक को संवादों द्वारा ही स्पष्ट किया जाता है।

(7) कहानी का उद्देश्य संवादों के माध्यम से श्रोताओं तक पहुँचाया जाता है।

Previous Pathshala

(ग)

उत्तर – कहानी का नाट्य रूपांतरण :–

कहानी को मंच पर भाव-भंगिमाओं के साथ प्रस्तुत करना, कहानी का नाट्य रूपांतरण कहलाता है। नाटक एक ऐसी गद्य विधा है, जिसे पढ़ने, लिखने के साथ-साथ देखा भी जा सकता है।

कहानी को नाटक में रूपांतरित करने हेतु आवश्यक बिंदु निम्नलिखित हैं :→

(1) कहानी की विस्तृत कथावस्तु का समय और स्थान के आधार पर विभाजन।
(2) एक घटना एक समय व एक स्थान पर घटने पर एक दृश्य बनेगा।
(3) दृश्यों का कथावस्तु के अनुसार निर्धारण।
(4) दृश्यों का सौ प्रतिशत औचित्य होना चाहिए।
(5) मंच सज्जा, ध्वनि व प्रकाश की व्यवस्था का प्रबंध करना।

प्रश्न ~~खण्ड~~ = 9

(क)

उत्तर :- रेडियो और टी०वी० के लिए समाचार मुख्यतः उल्टा पिरामिड शैली में लिखे जाते हैं।

समाचार लिखते समय ध्यान देने योग्य बातें निम्नलिखित हैं-

(1) साफ-सुथरी व टाइपड ~~कॉपी~~ कॉपी होनी चाहिए।
(2) एक लाइन में 12-13 शब्द ही होने चाहिए।
(3) कॉपी ट्रिपल स्पेस में टाइप होनी चाहिए।
(4) लाइन के अंत में कोई भी शब्द विभाजित नहीं होना चाहिए।
(5) संक्षिप्ताक्षर का प्रयोग नहीं करना चाहिए।
(6) निम्नलिखित, क्रमांक, ~~हस्ताक्षरित~~ आदि शब्दों का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए।
(7) तथा, व, किंतु, परंतु आदि शब्दों के स्थान पर और, या, लेकिन शब्दों का प्रयोग करना चाहिए।

Previous Pathshala

(8) सीधी, सरल व आम बोलचाल की भाषा में अपनी बात लिखनी चाहिए।

(9) स्थानांतरण की जगह तबादला, पंक्ति की जगह कतार आदि शब्दों का प्रयोग करना चाहिए।

(10) तिथि दिनांक को उसी प्रकार लिखना चाहिए जिस प्रकार हम बोलते हैं। जैसे 2 फरवरी, दो हजार तीन।

(ग) उत्तर- जनसंचार के आधुनिक माध्यमों में सबसे पुराना माध्यम प्रिंट माध्यम है। मुद्रण की शुरुआत चीन में हुई थी। वर्तमान छापेखाने के आविष्कार का श्रेय जर्मनी के गुटेनबर्ग को जाता है।

मुद्रित माध्यम की खूबियाँ

↓

(1) छपे हुए शब्दों में स्थायित्व होता है।

(2) आप अपनी मर्जी के अनुसार किसी भी पृष्ठ से पढ़ सकते हैं।

Previous Pathshala

(3) पढ़ते हुए कठिन शब्दों का अर्थ जानने के लिए शब्दकोश का सहारा ले सकते हैं।

(4) यह लिखित भाषा का विस्तार है।

(5) यह चिंतन, विचार व विश्लेषण का माध्यम है।

(6) इसे हम लंबे समय तक सँभालकर रख सकते हैं।

मुद्रित माध्यम की कमियाँ

↓

(1) यह निरक्षरों के लिए किसी काम का नहीं है।

(2) मुद्रित माध्यम के छपने की समय सीमा का ध्यान रखना पड़ता है। जैसे अखबारों में 24 घंटों में से रात 12 बजे के बाद प्रकाशन के लिए कोई सामग्री नहीं ली जाती।

(3) जगह सीमित होने के कारण स्पेस का ध्यान रखना पड़ता है।

(4) समाचार में घटना के महत्व के आधार पर स्पेस का विभाजन किया जाता है।

Previous Pathshala

प्रश्न = 10

(ख) उत्तर - 'कैमरे में बंद अपाहिज' कविता रघुवीर सहाय द्वारा रचित काव्य संग्रह 'लोग भूल गए हैं' से लिया गया है। इस कविता के माध्यम से कवि मीडिया व दूरदर्शनकर्ताओं की संवेदनहीनता व क्रूरता को उजागर करता है। वे अपने कार्यक्रम की व्यावसायिकता को बढ़ाने व धन कमाने के लिए एक अपाहिज व्यक्ति को कैमरे के सामने बैठाकर उससे अर्थहीन प्रश्न पूछते हैं। मीडिया के लोगों को अपाहिज व्यक्ति के दुख व पीड़ा से कोई लेना-देना नहीं है। वे अपाहिज व्यक्ति की पीड़ा को बेचके अपना कार्यक्रम सफल व रोचक बनाते हैं।

अतः मीडिया का सामाजिक सरोकार मात्र एक दिखावा है।

(ग) उत्तर - 'बादल राग' कविता सूर्यकांत त्रिपाठी निराला द्वारा रचित

Previous Pathshala

'अनामिका' नामक काव्य संग्रह से ली गई है।

इस कविता में कवि बादलों को क्रांति का दूत मानकर उनका आह्वान करता है। बादलों का आह्वान समाज का शोषित वर्ग करता है क्योंकि शोषक वर्ग ने उनका खूब शोषण किया है। अतः नव जीवन के निर्माण हेतु शोषित वर्ग बादलों को बुला रहा है कि वे आए उनका नव निर्माण करें। क्रांति से हमेशा छोटे ही लाभ पाते हैं। क्रांति से हमेशा शोषक वर्ग व पूँजीपतियों का विनाश होता है। वे समाज का सारा वैभव जोड़ते रहते हैं व शोषित वर्ग का शोषण करते रहते हैं। अतः क्रांति रूपी बादल ही उनका उद्धार कर सकते हैं।

प्रश्न - 11

(ख)

उत्तर - ये पंक्तियाँ रूबाइयाँ नामक कविता से ली गई है।

Previous Pathshala

इसमें कवि ने माँ के वात्सल्य प्रेम का वर्णन किया है। माँ अपने बच्चे को निर्मल जल से नहलाती है व उसके उलझे हुए बालों में कंघी करती है। बाद में माँ बच्चे को घुटनियों में दबाकर उसे कपड़े पहनाती हैं। बच्चा माँ की तरफ प्रेम भाव से देखता है। अत: इससे माँ का अपने बच्चे के प्रति वात्सल्य प्रेम व्यक्त हुआ है।

(ग)

उत्तर) 'बात सीधी थी पर' कविता कुँवर नारायण द्वारा रचित 'कोई दूसरा नहीं' काव्य संग्रह से ली गई है। इस कविता में भाषा व पेंच की समानता बताते हुए कवि बताना चाहता है कि जिस प्रकार पेंच को निर्धारित चूड़ी पर ही कसा जाता है, उसी प्रकार हमें भी अपनी सरल व सीधी बात को सहज भाषा के माध्यम से ही कहना चाहिए। पेंच को ज्यादा कसने से उसकी चूड़ी मर जाती है ठीक उसी प्रकार दिखावटी व आडंबरता युक्त भाषा का प्रयोग करने से कविता का नष्ट हो जाता है।

अतः भाषा की सहजता पर जोर देना चाहिए।

प्रश्न = 12

(क)

उत्तर :- भक्तिन भी सर्वगुण संपन्न नहीं थी, उसमें भी अनेक दुर्गुण मौजूद थे। भक्तिन में निम्नलिखित दुर्गुण थे -

(1) वह इधर-उधर पड़े पैसों को उठाकर भंडार ग्रह की मटकी में रख देती थी। वह पूछने पर उसे पैसों की चोरी नहीं बताती थी बल्कि पैसों को सँभालकर रखना कहती थी।

(2) वह लेखिका को खुश करने के लिए बात को इधर-उधर घुमाकर बताती थी।

(3) वह सत्यवादी हरिशचंद्र नहीं थी।

(4) वह शास्त्रों की अपनी इच्छानुसार व्याख्या करती थी।

Previous Pathshala

(5) वह दूसरों को अपने अनुसार ढाल लेती थी पर स्वयं नहीं बदलती थी।

अतः ठीक ही कहा गया है कि 'कोई भी व्यक्ति सर्वगुण संपन्न नहीं होता, भक्तिन भी इसका अपवाद नहीं थी।

(ख) उत्तर - बाजार को जादू कहा गया है। क्योंकि यह लोगों को अपनी ओर आकर्षित करता है। बाजार की चकाचौंध का व्यक्ति के मन-मस्तिष्क पर गहरा प्रभाव पड़ता है। वह बाजार की चकाचौंध देखकर उसकी ओर खींचा चला जाता है। वह बाजार से अनावश्यक वस्तुएँ खरीद लाता है। जब व्यक्ति का मन खाली होता है तब तो बाजार का जादू निश्चित चलता है। वह फिजूल खर्ची करने लगता है।

इस चकाचौंध से बचने का एकमात्र उपाय है — जब मन खाली हो तब बाजार नहीं जाना चाहिए। मन लक्ष्य से भरा होने पर ही बाजार में जाना चाहिए। अपनी आवश्यकता के

Previous Pathshala

अनुसार वस्तुएँ खरीदनी चाहिए।

प्रश्न = 13

(क)

उत्तर - 'मेरी कल्पना का आदर्श समाज' पाठ में जाति प्रथा के पोषक लोगों को जीवन, सुरक्षा व संपत्ति के अधिकार की स्वतंत्रता देने के पक्ष में हैं। पर ये जाति प्रथा के पोषक लोगों को अपना व्यवसाय स्वयं चुनने की स्वतंत्रता नहीं प्रदान करते हैं। ये व्यक्ति को पैतृक पेशा चुनने को विवश करते हैं। जाति प्रथा के कारण श्रम के साथ-साथ श्रमिकों का भी अस्वाभाविक विभाजन होता है जोकि गलत है। इसमें श्रम का विभाजन व्यक्ति की रूचि व क्षमता पर आधारित नहीं होता।

Previous Pathshala

(ग)(ख)

उत्तर ४ 'भक्तिन' पाठ में खोटे सिक्कों की टकसाल भक्तिन को कहा गया है क्योंकि भक्तिन ने परिवार की लीक से हटकर तीन पुत्रियों को जन्म दिया था। उस समय पुत्रियों को सम्मान नहीं दिया जाता था। भक्तिन की जेठानियों व सास ने पुत्रों को जन्म दिया था पर भक्तिन ने ~~के तिन~~ तीन बेटियों को जन्म दिया था। इस कारण भक्तिन के साथ भेदभाव पूर्ण व्यवहार किया जाता था व उसकी बेटियों से घर का सारा काम कराया जाता था।

Previous Pathshala